

महाजनपद, मगध, बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म

महाजनपद (छठी शताब्दी ई.पू.)

- **स्रोत** : बौद्ध ग्रंथ **अंगुत्तर निकाय** में 16 महाजनपद। जैन ग्रंथ **भगवतीसूत्र** में भी सूची है, पर उसमें गांधार और कम्बोज की जगह **वंग** और **मलय** हैं।
- **पृष्ठभूमि** : लोहे का प्रयोग, कृषि अधिशेष, **द्वितीय नगरीकरण**, **आहत (पंचमार्क) सिक्के**।
- **शासन-प्रणाली** : अधिकांश **राजतंत्र**। **वज्जि** और **मल्ल गणराज्य (गणसंघ)** थे।
- **सबसे शक्तिशाली चार** : **मगध, कोसल, वत्स, अवन्ति**।
- **अश्मक (अस्सक)** : विंध्य के दक्षिण (गोदावरी तट) का एकमात्र महाजनपद।



महाजनपदों की सूची

महाजनपद	राजधानी	क्षेत्र / विशेष
अंग	चम्पा	भागलपुर-मुंगेर (बिहार); चम्पा व्यापार का केंद्र
मगध	राजगृह (गिरिब्रज), बाद में पाटलिपुत्र	पटना-गया (बिहार)
काशी	वाराणसी	बाद में कोसल में विलय
कोसल	श्रावस्ती (उत्तर), साकेत/अयोध्या (दक्षिण)	राजा प्रसेनजित
वज्जि (वृज्जि)	वैशाली	उत्तर बिहार; 8 कुलों का संघ
मल्ल	कुशीनारा, पावा	गणराज्य (देवरिया-गोरखपुर क्षेत्र)
चेदि	शुक्तिगमती	बुंदेलखंड
वत्स	कौशाम्बी	राजा उदयन
कुरु	इन्द्रप्रस्थ	दिल्ली-मेरठ क्षेत्र
पांचाल	अहिच्छत्र (उत्तर), काम्पिल्य (दक्षिण)	रुहेलखंड
मत्स्य (मच्छ)	विराटनगर	जयपुर-अलवर क्षेत्र
शूरसेन	मथुरा	यमुना क्षेत्र
अश्मक	पोतन/पोदन	गोदावरी तट
अवन्ति	उज्जयिनी (उत्तर), महिष्मती (दक्षिण)	राजा प्रद्योत ; लोहे की खानें
गांधार	तक्षशिला	पेशावर-रावलपिंडी क्षेत्र
कम्बोज	राजपुर (हाटक)	उत्तर-पश्चिम

बिहार विशेष

- बिहार से जुड़े महाजनपद : **अंग, मगध, वज्जि**। **विदेह** (मिथिला) वज्जि संघ का अंग था।
- वज्जि संघ में **लिच्छवि** (वैशाली) और **विदेह** प्रमुख थे।
- वैशाली को प्राचीन गणतंत्र की प्रमुख राजधानी माना जाता है। **आम्रपाली** वैशाली की प्रसिद्ध गणिका थी, जो बाद में बौद्ध भिक्षुणी बनी।
- **बिम्बिसार** ने अंग के राजा **ब्रह्मदत्त** को हराकर अंग को मगध में मिलाया।



मगध के उत्थान के कारण

- गंगा, सोन, गंडक जैसी नदियाँ (सिंचाई एवं परिवहन)
- राजगृह क्षेत्र में लोहे की खानें
- उपजाऊ भूमि और घने जंगल (हाथी)
- पाटलिपुत्र की सामरिक स्थिति
- योग्य शासक



मगध के प्रमुख राजवंश

राजवंश	प्रमुख शासक	मुख्य तथ्य
हर्यक	बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदायिन	मगध की साम्राज्य-नींव
शिशुनाग	शिशुनाग, कालाशोक	अवन्ति का विलय; द्वितीय बौद्ध संगीति
नंद	महापद्मनंद, धनानंद	पहला गैर-क्षत्रिय वंश (परंपरा अनुसार)

बिम्बिसार (लगभग 544-492 ई.पू.)

- मगध साम्राज्य का वास्तविक संस्थापक। बुद्ध और महावीर का समकालीन। राजधानी राजगृह (गिरिव्रज)।
- वैवाहिक संबंध : कोसल देवी (प्रसेनजित की बहन, दहेज में काशी), चेल्लना (लिच्छवि राजकुमारी), खेमा (मद्र की राजकुमारी)।
- अंग का विलय। राजवैद्य जीवक।
- अजातशत्रु ने इन्हें बंदी बनाया (परंपरा अनुसार इन्हें मार दिया)।



अजातशत्रु (लगभग 492-460 ई.पू.)

- कोसल (प्रसेनजित) और वज्जि संघ को पराजित किया।
- वज्जि युद्ध में महाशिलाकंटक (पत्थर फेंकने वाला यंत्र) और रथमूसल का प्रयोग।
- मंत्री वस्सकार। पाटलिग्राम में दुर्ग-निर्माण।
- पहली बौद्ध संगीति का संरक्षक।



उदायिन (लगभग 460-444 ई.पू.)

- पाटलिपुत्र की स्थापना की और राजधानी वहाँ स्थानांतरित की (गंगा-सोन संगम)।



शिशुनाग वंश

- शिशुनाग ने अवन्ति के प्रद्योत वंश को हराकर अवन्ति को मगध में मिलाया।
- कालाशोक (काकवर्ण) के समय वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति।

नंद वंश

- महापद्मनंद : पुराणों में एकराट और सर्वक्षत्रान्तक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) कहा गया। कर्लिंग-विजय का संकेत हाथीगुम्फा अभिलेख में।
- धनानंद : अंतिम नंद शासक। सिकंदर के समय (326 ई.पू.) शासक।
- यूनानी लेखकों में अग्रमीज/जैड्रमीज।
- चाणक्य (कौटिल्य) की सहायता से चन्द्रगुप्त मौर्य ने नंद वंश का अंत किया।



बिहार विशेष

- मगध की प्रारंभिक राजधानी राजगृह (राजगीर, नालंदा) और बाद की पाटलिपुत्र (पटना) दोनों बिहार में हैं।
- पाटलिपुत्र का प्राचीन नाम पाटलिग्राम/कुसुमपुर भी मिलता है।

बौद्ध धर्म

गौतम बुद्ध का जीवन

- **जन्म** : लगभग 563 ई.पू., लुम्बिनी (नेपाल)।
कुल : शाक्य, गणराज्य कपिलवस्तु।
- पिता **शुद्धोधन**, माता **मायादेवी**। पालन-पोषण **महाप्रजापति गौतमी**। पत्नी **यशोधरा**, पुत्र **राहुल**।
- घोड़ा **कंधक**, सारथी **छन्न**। गृहत्याग (**महाभिनिष्क्रमण**) 29 वर्ष की आयु में।
- गुरु : आलार कालाम और उद्धक रामपुत्र।
- **ज्ञान प्राप्ति** : 35 वर्ष की आयु में **बोधगया** (उरुवेला) में, निरंजना (फल्गु) नदी के तट पर, पीपल (बोधि वृक्ष) के नीचे।
- **प्रथम उपदेश** : सारनाथ (ऋषिपत्तन), पाँच शिष्यों को (धर्मचक्रप्रवर्तन)।
- **महापरिनिर्वाण** : लगभग 483 ई.पू., कुशीनगर (80 वर्ष की आयु)।



मुख्य सिद्धांत

- **चार आर्य सत्य** : दुःख, दुःख समुदय (कारण), दुःख निरोध, दुःख निरोध गांमिनी प्रतिपदा।
- **अष्टांगिक मार्ग** : सम्यक दृष्टि, संकल्प, वाणी, कर्म, आजीविका, व्यायाम (प्रयास), स्मृति, समाधि।
- **मध्यम मार्ग**। **प्रतीत्यसमुत्पाद** (कार्य-कारण सिद्धांत)। **अनात्मवाद**, **क्षणिकवाद**। लक्ष्य **निर्वाण**।
- **त्रिरत्न** : बुद्ध, धम्म, संघ। **पंचशील**।
- **भाषा** : पालि।
- **ग्रंथ** : **त्रिपिटक** (विनय, सुत्त, अभिधम्म)। **जातक कथाएँ** (बुद्ध के पूर्वजन्म)।
- **प्रमुख शिष्य** : आनंद, सारिपुत्त, मौद्गल्यायन, महाकस्सप, **उपालि** (विनय)।



चार बौद्ध संगीतियाँ

संगीति	स्थान	काल	शासक	अध्यक्ष
प्रथम	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)	483 ई.पू.	अजातशत्रु	महाकस्सप
द्वितीय	वैशाली	383 ई.पू.	कालाशोक	सबकामी
तृतीय	पाटलिपुत्र	250 ई.पू.	अशोक	मोग्गलिपुत्त तिस्स
चतुर्थ	कुण्डलवन (कश्मीर)	लगभग प्रथम-द्वितीय शताब्दी ई.	कनिष्क	वसुमित्र (उपाध्यक्ष: अश्वघोष)

- द्वितीय संगीति में **स्थविरवादी** और **महासांघिक** में विभाजन।
- तृतीय संगीति में **अभिधम्म पिटक** का संकलन (**कथावत्थु**)।
- चतुर्थ संगीति के बाद **हीनयान** और **महायान** का स्पष्ट विभाजन। **संस्कृत** का प्रयोग।
- **संप्रदाय** : **हीनयान/थेरवाद**, **महायान**, **वज्रयान** (पाल काल, बिहार में प्रमुख)।
- **चार प्रमुख तीर्थ** : लुम्बिनी (जन्म), बोधगया (ज्ञान), सारनाथ (प्रथम उपदेश), कुशीनगर (निर्वाण)।



बिहार विशेष

बोधगया

- **महाबोधि मंदिर** (UNESCO विश्व धरोहर, 2002)।



राजगीर

- वेणुवन, गृध्रकूट पर्वत, सप्तपर्णी गुफा।



वैशाली

- बुद्ध का अंतिम उपदेश।
- द्वितीय संगीति।
- **अशोक** का सिंह-स्तंभ।



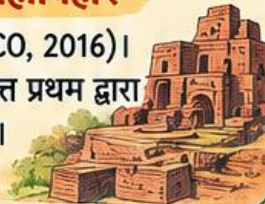
केसरिया (पूर्वी चम्पारण)

- विशाल बौद्ध स्तूप।



नालंदा महाविहार

- (UNESCO, 2016)।
- कुमारगुप्त प्रथम द्वारा स्थापित।



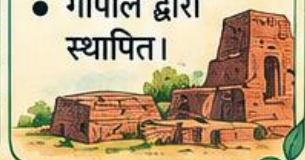
विक्रमशिला

- (भागलपुर)।
- धर्मपाल द्वारा स्थापित।



ओदंतपुरी

- गोपाल द्वारा स्थापित।



जैन धर्म

24 तीर्थंकर

- कुल 24 तीर्थंकर।
- प्रथम ऋषभदेव (आदिनाथ), प्रतीक बैल।
- 22वें नेमिनाथ (प्रतीक शंख; श्रीकृष्ण के चचेरे भाई, परंपरा अनुसार)।
- 23वें पार्श्वनाथ (काशी, प्रतीक सर्प)।
चातुर्ग्राम (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह)।
वस्त्र धारण की अनुमति।
- 24वें महावीर (वर्धमान), प्रतीक सिंह।



महावीर स्वामी

- जन्म : लगभग 540 ई.पू., कुण्डग्राम (वैशाली)।
- कुल : ज्ञातृक।
- पिता सिद्धार्थ, माता त्रिशला (लिच्छवि प्रमुख चेटक की बहन)। पत्नी यशोदा, पुत्री प्रियदर्शना, दामाद जमालि।
- 30 वर्ष में गृहत्याग। 12 वर्ष की तपस्या।
- कैवल्य (ज्ञान) : 42 वर्ष की आयु में जुगभिक्र ग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर, साल वृक्ष के नीचे।
- उपाधियाँ : जिन, निर्ग्रन्थ, केवलिन, अर्हत, महावीर।
- निर्वाण : लगभग 468 ई.पू., पावापुरी (बिहार) में, 72 वर्ष की आयु में।
- पहला गणधर : इन्द्रभूति गौतम।



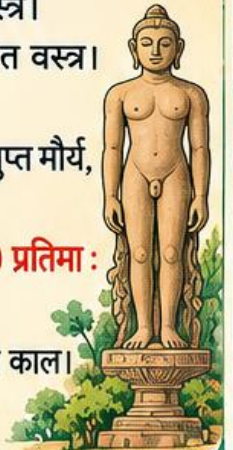
सिद्धांत

- पंच महाव्रत : अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य (ब्रह्मचर्य महावीर ने जोड़ा)।
- त्रिरत्न : सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र।
- अनेकान्तवाद, स्याद्वाद (सप्तभंगी), कर्मवाद, पुनर्जन्म।
मोक्ष हेतु सल्लेखना।
- ईश्वर को सृष्टिकर्ता नहीं मानते। वेदों को अस्वीकार।
- भाषा : अर्धमागधी (प्राकृत)।



जैन संगीतियों एवं संप्रदाय

- प्रथम संगीति : पाटलिपुत्र, लगभग 300 ई.पू.
अध्यक्ष स्थूलभद्र ; 12 अंगों का संकलन।
- द्वितीय संगीति : वल्लभी, 512 ई.।
अध्यक्ष देवर्धि क्षमाश्रमण ; आगमों का अंतिम संकलन।
- दिगंबर : भद्रबाहु के अनुयायी, निर्वस्त्र।
- श्वेतांबर : स्थूलभद्र के अनुयायी, श्वेत वस्त्र।
- कल्पसूत्र : भद्रबाहु।
- संरक्षक : बिम्बिसार, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त मौर्य,
खारवेल, गंग, चंदेल।
- श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर (बाहुबली) प्रतिमा :
चामुण्डराय (गंग मंत्री), 981 ई.
- दिलवाड़ा मंदिर (माउंट आबू) : सोलंकी काल।



बौद्ध धर्म और जैन धर्म में अंतर

आधार	बौद्ध धर्म	जैन धर्म
संस्थापक	गौतम बुद्ध	महावीर (24वें तीर्थंकर)
भाषा	पाली	अर्धमागधी
आत्मा	अनात्मवाद	जीव में आत्मा का अस्त्वित्व
अहिंसा	मध्यम मार्ग	अत्यंत कठोर
मुक्ति	निर्वाण	कैवल्य/मोक्ष

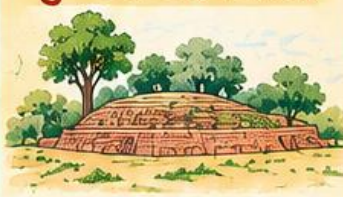
बिहार विशेष

पावापुरी (नालंदा)



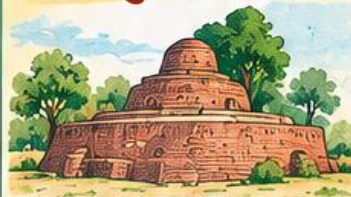
- महावीर का निर्वाण स्थल,
जल मंदिर।

कुण्डग्राम (वैशाली)



- महावीर की जन्मस्थली
और राजगीर जैन तीर्थ।

चम्पापुरी (भागलपुर)



- 12वें तीर्थंकर वासुपुज्य
से संबंधित।

पार्श्वनाथ पर्वत



- सम्मेद शिखर (झारखंड):
20 तीर्थंकरों का मोक्ष-स्थल।

Mahajanapadas, Magadha, Buddhism and Jainism

Mahajanapada (Sixteenth Century B.C.E.)

- **Period** : Sixteen Mahajanapadas emerged in the **later Vedic period**. Jain texts also mention them, but with some differences in names.
- **Economic base** : Use of iron, development of agriculture, urbanisation, and trade (**Vanga** and **Malaya** were rich in forest and minerals).
- **Administration** : Most were monarchies. Some were republics – **Vajji** and **Malla** (confederacies).
- **Most powerful four** : **Magadha**, **Kosala**, **Vatsa** and **Avanti**.
- **Ashmaka (Assaka)** : The only Mahajanapada in the southern region (Godavari valley).



List of Sixteen Mahajanapadas

Mahajanapada	Capital	Region / Present-day Area
Anga	Champa	Bhagalpur–Munger (Bihar); Champa was a trade centre
Magadha	Rajagriha (Girivraja), later Pataliputra	Patna–Gaya (Bihar)
Kashi	Varanasi	Kosal region (now in Uttar Pradesh)
Kosala	Shravasti (North), Saket/Ayodhya (South)	Ruling family: Prasenajit
Vajji (Vriji)	Vaishali	North Bihar; a confederacy of 8 clans
Malla	Kushinara, Pava	Confederacy (Deoria–Gorakhpur region, U.P.)
Chedi	Shuktimati	Bundelkhand
Vatsa	Kaushambi	Ruler: Udayana
Kuru	Indraprastha	Delhi–Meerut region
Panchala	Ahichchhatra (North), Kampilya (South)	Rohilkhand
Matsya	Viratnagar	Jaipur–Alwar region
Shurasena	Mathura	Yamuna region
Ashmaka	Potana / Podana	Godavari valley (only southern Mahajanapada)
Avanti	Ujjayini (North), Mahishmati (South)	Ruler: Pradyota ; known for copper mines
Gandhara	Takshashila	Peshawar–Rawalpindi region
Kamboja	Rajapura (Hatak)	North–Western region

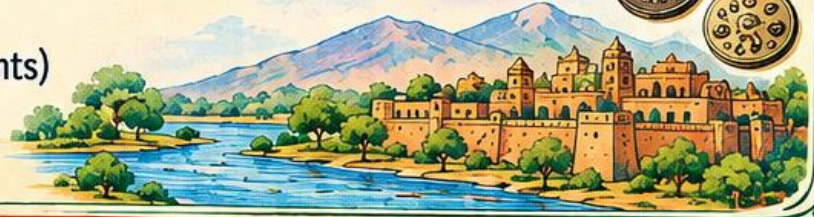
Focus on Bihar

- **Mahajanapadas in Bihar** : **Anga**, **Magadha** and **Vajji**. Videha (Mithila) was also a part of the Vajji confederacy.
- **Rulers** : **Licchavis** (Vaishali) and **Videhas** were prominent.
- **Vaishali** was an early republic and is considered the first republican polity in India. **Ambapali**, a famous courtesan, became a follower of Buddha later.
- **Bimbisara** conquered Anga from its ruler **Brahmadatta** and merged it with Magadha.



Reasons for the Rise of Magadha

- **Rivers:** Ganga, Son and Gandak (irrigation and transport)
- **Iron mines** in the Rajagriha region
- **Fertile land** and **dense forests** (elephants)
- **Strategic location** of Pataliputra
- **Capable rulers**

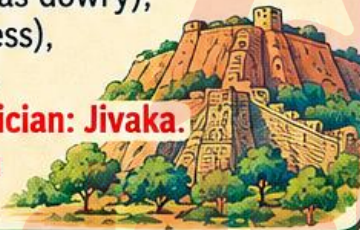


Major Dynasties of Magadha

Dynasty	Key Rulers	Key Facts
Haryanka	Bimbisara, Ajatashatru, Udayin	Foundation of the Magadhan empire
Shishunaga	Shishunaga, Kalashoka	Annexation of Avanti; Second Buddhist Council
Nanda	Mahapadma Nanda, Dhana Nanda	Traditionally the first non-Kshatriya dynasty

Bimbisara (c. 544–492 BCE)

- **Real founder of the Magadhan empire.**
- Contemporary of **Buddha and Mahavira.**
- **Capital:** Rajagriha (Girivraja).
- **Matrimonial alliances:** **Kosala Devi** (sister of Prasenajit; Kashi as dowry), **Chellana** (Lichchhavi princess), **Khema** (princess of Madra).
- **Annexed Anga. Royal physician: Jivaka.**
- **Imprisoned by Ajatashatru** (tradition says he was killed).



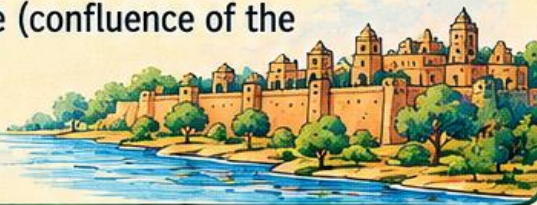
Ajatashatru (c. 492–460 BCE)

- Defeated **Kosala** (Prasenajit) and the **Vajji confederacy.**
- Used **Mahashilakantaka** (stone-hurling engine) and **Rathamusala** in the Vajji war.
- Minister: **Vassakara:** Fortified Pataligrama.
- Patron of the **First Buddhist Council.**



Udayin (c. 460–444 BCE)

- **Founded Pataliputra** and shifted the capital there (confluence of the Ganga and Son).

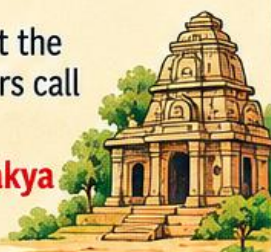


Shishunaga Dynasty

- **Shishunaga** defeated the **Pradyota dynasty of Avanti** and merged Avanti into Magadha.
- Under **Kalashoka (Kakavarna)**, the **Second Buddhist Council** was held at **Vaishali.**

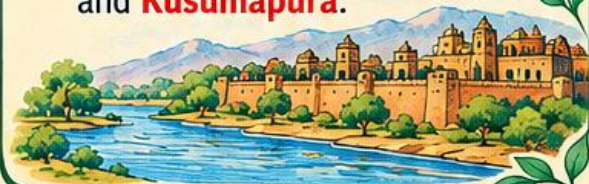
Nanda Dynasty

- **Mahapadma Nanda:** called **Ekarat** and **Sarva-kshatrantaka** (destroyer of all Kshatriyas) in the Puranas. The **Hathigumpha inscription** hints at a Nanda conquest of **Kalinga.**
- **Dhana Nanda:** last Nanda ruler, ruling at the time of **Alexander** (326 BCE). Greek writers call him **Agrammes/Xandrames.**
- **Chandragupta Maurya**, aided by **Chanakya (Kautilya)**, ended the Nanda dynasty.



Bihar Focus

- Both capitals of Magadha, **Rajagriha (Rajgir, Nalanda)** and **Pataliputra (Patna)**, are in Bihar.
- Pataliputra was also known by the early names **Pataligrama** and **Kusumapura.**



BUDDHISM

Life of Gautama Buddha

- **Born** : c. 563 BCE, at **Lumbini** (Nepal).
- **Clan** : Shakya, capital **Kapilavastu**.
- **Father** : Siddhodana, **Mother** : Mayadevi.
Raised by **Mahaprajapati Gautami**.
- **Wife** : Yashodhara, **Son** : Rahula.
- **Horse** : Kanthaka, **Charioteer** : Channa.
- **Renunciation (Mahabhinishkramana)** :
at the age of 29.
- **Teachers** : Alara Kalama and
Uddaka Ramaputta.
- **Enlightenment** : at the age of 35 at
Bodh Gaya (Uruvela) on the banks of
the Niranjana (Falgu) river, under the
Peepal (Bodhi) tree.
- **First Sermon** : at **Sarnath** (Rishipatana)
to five disciples, **Dharmachakra Pravartana**.
- **Mahaparinirvana** : c. 483 BCE, at **Kushinagar**
(aged 80 years).



Core Teachings

- **Four Noble Truths** : Suffering (dukkha),
its cause, its cessation and the path to cessation.
- **Eightfold Path** : Right view, right resolve, right speech,
right action, right livelihood, right effort, right
mindfulness, right concentration.
- **Middle Way** : Avoidance of extreme indulgence
and extreme asceticism.
- **Pratityasamutpada** : Dependent origination
(conditional causation).
- **Anatman** : No permanent self.
- **Kshanikavada** : Impermanence of all things.
- **Nirvana** : Liberation from the cycle of birth and death.
- **Three Jewels** : Buddha, Dhamma, Sangha.
- **Panchsheel** : Five moral precepts (ethical conduct).
- **Language** : Pali.
- **Tripitaka** : Vinaya Pitaka, **Sutta Pitaka**, Abhidhamma Pitaka.
- **Jataka tales** : Stories of Buddha's previous births.
- **Chief disciples** : Ananda, Sariputta,
Mahakassapa, Upali.



Four Buddhist Councils

Council	Place	Date	Patron	President
First	Rajagriha (Saptarni Cave)	483 BCE	Ajatashatru	Mahakassapa
Second	Vaishali	383 BCE	Kalashoka	Sabakami
Third	Pataliputra	250 BCE	Ashoka	Moggaliputta Tissa
Fourth	Kundalvana (Kashmir)	c. 1st–2nd century CE	Kanishka	Vasumitra (vice-president: Ashvaghosha)

- The **Second Council** led to a split into **Sthaviravada** and **Mahasanghika**.
- The **Third Council** is associated with the compilation of **Abhidhamma Pitaka** and **Kathavatthu**.
- After the **Fourth Council**, the distinction between **Hinayana** and **Mahayana** became clear; **Sanskrit** was used.
- **Major schools** : Theravada, Mahayana and Vajrayana (prominent in Bihar during the Pala period).
- **Four important pilgrimage sites** : Lumbini (birth), Bodh Gaya (enlightenment), Sarnath (first sermon), Kushinagar (nirvana).



Bihar Focus

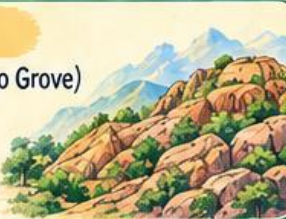
Bodh Gaya

- Mahabodhi Temple
(UNESCO World
Heritage Site, 2002).



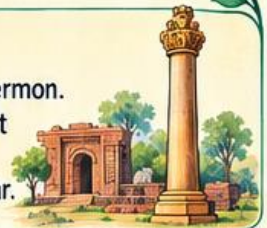
Rajgir

- **Venuvana** (Bamboo Grove)
- Gridhrakuta Hill
(Vulture's Peak)
- Saptarni Cave.



Vaishali

- Buddha's last sermon.
- Second Buddhist
Council.
- Ashokan lion pillar.



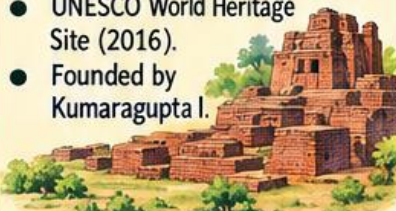
Kesariya (East Champaran)

- Huge Buddhist stupa.



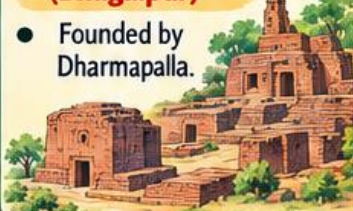
Nalanda Mahavihara

- UNESCO World Heritage
Site (2016).
- Founded by
Kumaragupta I.



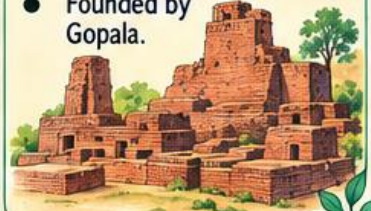
Vikramshila (Bhagalpur)

- Founded by
Dharmapala.



Odantapuri

- Founded by
Gopala.



JAINISM

24 TIRTHANKARAS

- **Total 24** Tirthankaras.
- **1st** Tirthankara – **Rishabhadeva (Adinatha)**: symbol – **Bull**.
- **22nd** Tirthankara – **Neminatha**: symbol – **Conch**. Traditionally associated as Krishna's cousin.
- **23rd** Tirthankara – **Parshvanatha**: born at Kashi, symbol – **Serpent**. Taught **Chaturyama** – Ahimsa, Satya, Asteya, Aparigraha. Clothing permitted.
- **24th** Tirthankara – **Mahavira (Vardhamana)**: symbol – **Lion**.



MAHAVIRA (24th TIRTHANKARA)

- **Born**: c. 540 BCE at **Kundagrama** (Vaishali).
- **Clan**: Jnatrika.
- **Father**: Siddhartha. **Mother**: Trishala (sister of Lichchhavi chief Chetaka).
- **Wife**: Yashoda. **Daughter**: Priyadarshana. **Son-in-law**: Jamali.
- **Renounced** at the age of **30**; 12 years of penance.
- **Kevala Jnana**: at the age of **42** at **Jrimbhikagrama**, beside the **Rijupalika River**, under a **Sal tree**.
- **Titles**: Jina, Nirgrantha, Kevalin, Arihant, Mahavira.
- **Nirvana**: c. 468 BCE at **Pavapuri** (Bihar), aged 72.
- **First Ganadhara**: Indrabhuti Gautama.

JAIN DOCTRINES

- **Five Mahavratas**: Ahimsa, Satya, Asteya, Aparigraha, Brahmacharya (added by Mahavira).
- **Triratna**: Samyak Darshan, Samyak Jnana, Samyak Charitra.
- **Anekantavada** and **Syadvada** (Saptabhangi).
- **Karma** and **rebirth**.
- **Sallekhana** – final spiritual discipline.
- **No creator God. Vedas rejected.**
- **Language**: Ardhamagadhi (Prakrit).

JAIN COUNCILS AND SECTS

- **First Council**: Pataliputra, c. 300 BCE; Sthulabhadra; compilation of **12 Angas**.
- **Second Council**: Vallabhi, 512 CE; **Devardhi Kshamashramana**; final compilation of Agamas.
- **Digambara sect**: traditionally associated with **Bhadrabahu** (sky-clad).
- **Shvetambara sect**: associated with **Sthulabhadra** (white-clad).
- **Kalpasutra**: attributed to Bhadrabahu.
- **Major patrons**: Bimbisara, Ajatashatru, Chandragupta Maurya, Kharavela, Gangas, Chandellas.
- **Gommateshvara (Bahubali)**: Shravanabelagola – Chamundaraya, 981 CE.
- **Dilwara temples, Mount Abu**: Solanki period.

BUDDHISM AND JAINISM

BASIS	BUDDHISM	JAINISM
Founder	Gautama Buddha	Mahavira (24th Tirthankara)
Language	Pali	Ardhamagadhi (Prakrit)
Soul	Anatmavada (no permanent soul)	Jiva exists (eternal soul)
Ahimsa	Middle Path	Extremely strict (central principle)
Liberation	Nirvana	Kaivalya or Moksha

BIHAR SPECIAL

Pavapuri (Nalanda)



- Mahavira's nirvana site.
- Jal Mandir.

Kundagrama (Vaishali)



- Birthplace of Mahavira.
- Important Jain site.

Rajgir



- Major Jain pilgrimage centre.

Champapuri (Bhagalpur)



- Associated with the 12th Tirthankara Vasupujya.

Parasnath Hill (Sammed Shikhar, Jharkhand)

- Moksha site of 20 Tirthankaras.